http://www.developindiagroup.co.in/

यू.पी.एस.सी

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा अध्ययन सामाग्री

सामान्य अध्ययन

प्रश्नपत्र – 2

(भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज)

Published By
Develop India Group

अनुक्रमणिका

प्रश्नपत्र – 2 (भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज) 1

भारतीय संस्कृति में प्रचीनकाल से आधुनिक काल तक के कला रूप, साहित्य और वास्तुकला 7

स्थापत्य कला 7

चित्रकला 7

मूर्तिकला 7

स्थापत्य कला 7

सैंधव स्थापत्य कला 7

वैदिक स्थापत्य कला 7

मौर्यकालीन स्थापत्य कला 7

मौर्योत्तर कालीन स्थापत्य कला 7

गुप्तकालीन स्थापत्य कला 8

सल्तनत कालीन स्थापत्य कला 8

गुप्तोत्तर कालीन स्थापत्य कला/मंदिर स्थापत्य कला 8

स्थापत्य कला की प्रांतीय शैलियां 9

मूर्तिकला 9

सैंधव कालीन मूर्तिकला 9

मौर्य युगीन मूर्तिकला 9

शुंगयुगीन मूर्तिकला 9

गुप्त कालीन मूर्तिकला 9

चालुक्य कालीन मूर्तिकला 9

राष्ट्रकूट कालीन मूर्तिकला 9

प्रतिहार कालीन मूर्तिकला 10

कुषाण कालीन मूर्तिकला 10

चोल कालीन मूर्तिकला 10

चित्रकला 10

भारतीय चित्रकला की प्रमुख शैलियां 10

भारतीय नृत्य शैलियां 12

भरतनाट्यम 12

कथकली 12

कथक 12

ओडिसी 13

मणिपुरी 13

मोहिनीअट्टम 13

कुचीपुडी 14

कुटियाट्टम 15

यक्षगान 16

तेरूक्कूट 16

गंधर्वगान 16

चाक्यारकुत्तु 16

कूडियाट्टम 16

ओट्टन तुल्लल 16

लूलिता 16

बोमल अट्टम 16

बइसल अट्टम 16

इल्लकी अट्टम 16

चोली अट्टम 16

भागवत मेला नृत्य 16

आधुनिक भारत में शिक्षा का विकास 17

स्वतंत्रता संग्राम और इसके विभिन्न चरण 40

अंतरिम सरकार का गठन 70

संविधान सभा की बैठक (9 दिसम्बर, 1946) 71

रॉयल नौसेना विद्रोह (फरवरी 1946) 71

आजाद हिंद फौज 71

आजाद हिंद फौज पर मुकदमा (लाल किला मुकदमा), 1945 72

भारतीय स्वतंत्रता की प्राप्ति 72

माउंटबेटेन योजना 73

भारत स्वतंत्रता अधिनियम (1947) 73

आधुनिक भारत के महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व 74

महात्मा गांधी 74

बाल गंगाधर तिलक 75

राजाराम मोहन राय 75

http://www.developindiagroup.co.in/

जवाहर लाल नेहरू	76	तेज बहादुर सप्रू	84
रवींद्रनाथ टैगोर	77	सरोजनी नायडू	84
सर सैय्यद अहमद खां	78	गोपालकृष्ण गोखले	84
स्वामी विवेकानंद	78	व्योमेश चंद्र बनर्जी	84
स्वामी दयानंद सरस्वती	79	फिरोजशाह मेहता	84
डॉ. भीमराव अम्बेडकर	79	बिपिन चंद्र पाल	84
अबुल कलाम आजाद	80	लाला लाजपत राय	84
मुहम्मद इकबाल	80	राजाराम मोहन राय	85
अजीमुल्ला खां	80	रास बिहारी बोस	85
सी. राजगोपालचारी	80	भगत सिंह	85
अब्दुल गफ्फार खां	80	भीका जी कामा	85
डॉ.ए.एम. अंसारी	81	लाला हरदयाल	85
अरविंद घोष	81	चापेकर बंधु	85
मदनलाल धींगरा	81	सैफुद्दीन किचलू	85
मैक्समूलर	81	पट्टाभि सीतारमैय्या	85
मदन मोहन मालवीय	81	आचार्य नरेंद्र देव	86
महादेव गोविंद रानाडे	81	वल्लभभाई पटेल	86
विष्णु शास्त्री चिपलुंकर	81	राजकुमारी अमृतकौर	86
एनी बेसेंट	81	सच्चिदानंद सिन्हा	86
हेनरी विवियन डेरेजियो	81	लॉर्ड माउंटबेटन	86
भाई महाराज सिंह	82	ठक्कर बापा	86
सर सैय्यद अहमद खां	82	कांजीरम नटराजन अन्नादुरई	86
तांत्या टोपे	82	श्रीनिवास शास्त्री	86
रानी लक्ष्मी बाई	82	के.टी. तैलंग	86
दादा भाई नौरोजी	82	लतिका घोष	87
सुरेंद्रनाथ बनर्जी	82	रमेश चंद्र दत्त	87
बाल गंगाधर तिलक	82	चन्द्रशेखर आजाद	87
ज्योतिबा फुले	82	विनायक दामोदर सावरकर	87
ईश्वर चंद्र विद्यासागर	83	रामप्रसाद बिस्मिल	87
केशव चंद्र सेन	83	गोपबंधु दास	87
पण्डित रमाबाई	83	नीलकंठ दास	87
सिस्टर निवेदिता	83	जमनालाल बजाज	87
धोंडो केशव कर्वे	83	टी. प्रकाशम	87
मानवेंद्र नाथ राय	83	एस. श्रीनिवास अयंगर	88
देवेंद्र नाथ टैगोर	83	चंपक रमन पिल्लई	88
कुंवर सिंह	84	के. केलप्पण	88
मंगल पाण्डे	84	अल्लादी सीताराम राजू	88
सर विलियम जोंस	84	सूर्यसेन	88

http://www.developindiagroup.co.in/

पं. जवाहरलाल नेहरू 88
गणेश वसुदेव मावलंकर 88
डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा 88
राजकिशोर शुक्ल 88
जयप्रकाश नारायण 88
नारायण गुरु 88
राममनोहर लोहिया 89
आचार्य बिनोवा भावे 89
विट्ठल भाई पटेल 89
श्यामा प्रसाद मुखर्जी 89
खुदीराम बोस 89
गणेश शंकर विद्यार्थी 89
सी.वाई. चिंतामणि 89
सी.एफ. एंड्रूज 89
अच्युत एस. पटवर्धन 89
अजीत सिंह 89
आनंद मोहन बोस 90
अमीरचंद 90
अरुणा आसफ अली 90
इंदु लाल याज्ञनिक 90
कैलाशनाथ काटजू 90
कस्तूरबा गांधी 90
कल्पना दत्त 90
जतीन्द्रनाथ दास 90
दुर्गाभाई देशमुख 90
नलिनी गुप्ता 90
नारायण मल्हार राव जोशी 90
मतांगनि हजारा 91
माधव 91
तुलसीदास 91
सूरदास 91
बल्लभाचार्य 91
ज्ञानदेव 91
लोकाचार्य 91
गुरु गोविंद सिंह 91
स्वतंत्रता के पष्चात देष के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन 91
विष्व के इतिहास में 18वीं सदी की घटनाएं 92
औद्योगिक क्रांति का विश्व स्तर का प्रभाव 92
अन्य देशों में औद्योगीकरण : अमेरिका, जर्मनी, रूस तथा जापान 92
अमेरिका में औद्योगीकरण 93
जर्मनी में औद्योगीकरण 94
रूस में औद्योगीकरण 95
जापान में औद्योगीकीकरण 95
विश्वयुद्ध 96
प्रथम विश्व युद्ध के कारण और परिणाम 98
प्रथम विश्व युद्ध घटनाक्रम 100
वुडरो विल्सन की 14 सूत्री मांगे 100
वर्साय की संधि (28 जून 1919) – मित्र राष्ट्र तथा जर्मन के बीच 102
सेंट जर्मन की संधि (10 दिसम्बर, 1919) 103
नुइली की संधि 27 नवम्बर, 1919 103
त्रिआनों की संधि 4 जून, 1020 ई. 103
सेब्रे की संधि 10 अगस्त 1920 – तुर्की 104
प्रथम विश्व युद्ध के प्रभाव 104
द्वितीय विश्व युद्ध : कारण एवं परिणाम 105
द्वितीय विश्वयुद्ध की गतिविधियां 107
द्वितीय महायुद्ध के परिणाम एवं प्रभाव 108
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का विश्व : राष्ट्रीय सीमाओं का पुनः सीमांकन 110
पश्चिमी यूरोप का एकीकरण तथा अमेरिकी रणनीति 110
तृतीय विश्व एवं गुट निरपेक्षता का आर्विभाव 114
गुट निरपेक्ष आंदोलन का मूल्यांकन, परीक्षण तथा आलोचना 115
संयुक्त राष्ट्र संघ की विशिष्टता 117
यूरोप का एकीकरण 124
नाटो की गतिविधियां 124
यूरोपीय आर्थिक समुदाय के कार्यकारी निकाय 126
उपनिवेशवाद 128
दक्षिण एवं दक्षिण–पूर्व एशिया 128
इंडोनेशिया में स्वतंत्रता आंदोलन 129
हिंदचीन 131
हिंद–चीन राष्ट्रीयता का उदय 131
लातीनी अमेरिका एवं दक्षिण अफ्रीका 136
दक्षिण अफ्रीका 137
आस्ट्रेलिया 138

http://www.developindiagroup.co.in/

साम्राज्यवाद तथा मुक्त व्यापार : नव साम्राज्यवाद 140
साम्राज्यवाद तथा उप–निवेशवाद में अंतर 140
मुक्त व्यापार 140
साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद 141
सांस्कृतिक कारक 141
ऐतिहासिक कारक 141
राजनीतिक कारक 141
आर्थिक कारक 142
पश्चिमी पूंजीवादी देशों की भूमिका 142
राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचोव की भूमिका 142
पूर्वी यूरोप में राजनीतिक परिवर्तन (1989–1992 ई.) 144
पोलैण्ड 145
रोमानिया 145
चेकोस्लोवाकिया 146
हंगरी 146
अल्बानिया 146
बुल्गारिया 147
शीत युद्ध का अंत एवं अकेली महा शक्ति के रूप में अमेरिका का उत्कर्ष 147
राजनीतिक प्रभुत्व 147
आर्थिक प्रभुत्व 148
सांस्कृतिक प्रभुत्व 148
सैन्य प्रभुत्व 148
भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं एवं भारत की विविधता 148
भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएं 149
भारत की विविधता 150
भौगोलिक विविधता 150
राजनीतिक विविधता 151
सांस्कृतिक विविधता 151
धार्मिक विविधता 151
भाषायी विविधता 151
आर्थिक विविधता 151
महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन 151
प्राचीन भारत महिलाओं की स्थिति 152
मध्ययुगीन काल में महिलाओं की स्थिति 152
ऐतिहासिक प्रथाएं 153
सती प्रथा 153
जौहर प्रथा 153
परदा प्रथा 153
देवदासियाँ 154
अंग्रेजी शासन 154
स्वतंत्र भारत में महिलाएं 155
महिलाएं और विकास : स्व–सहायता समूह आंदोलन 156
जनसंख्या एवं सम्बद्ध मुद्दे 156
समावेशी विकास 159
वित्तीय समावेशन 160
शहरीकरण, उनकी समस्याएं और रक्षोपाय 161
भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव 163
सामाजिक सशक्तीकरण, सम्प्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता 163
सामाजिक सशक्तीकरण 163
सम्प्रदायवाद 163
क्षेत्रवाद 166
धर्मनिरपेक्षता 167
विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएं 167
दबाव अथवा संपीडन से उत्पन्न वलित स्थलाकृतियां 170
भूपटल की उत्पत्ति तथा विकास 172
पृथ्वी की आंतरिक बनावट 173
च्हें.ह तरंगे 174
प्रावार / मैण्टल 176
पृथ्वी के सतह से गहराई में तापमान का सामान्य आकलन 178
प्लेट विवर्तनिकी की अवधारणा 178
प्लेट का वर्गीकरण 179
प्लेट गति एवं विवर्तनिक क्रियायें 179
प्लेट की गति 180
ज्वालामुखी क्रिया 184
विश्व का तापमान एवं वायुदाब पेटियां 185
वायुमंडल के गर्म और ठण्डा होने की प्रक्रिया 185
विश्व में तापमान का वितरण 187
ताप–असंगति 191
वायुदाब पेटियाँ 192
भूमण्डलीय एवं स्थानीय पवन 195
नगरीय द्वीप उष्मण प्रभाव 199
वायुराशियाँ 199
महासागरों की तलीय स्थलाकृति 202
महासागरीय गर्त 206
समुद्री निक्षेप एवं समुद्री प्रदूषण 208

http://www.developindiagroup.co.in/

समुद्री धाराएं	214
पृथ्वी के स्वाभाव से संबंधित कारक	215
समुद्र संबंधी कारक	216
हिन्द महासागर की धाराएँ	220
प्रशान्त महासागर की धाराएँ	221
धाराओं का प्रभाव	223
ज्वार भाटा	224
विश्वभर के प्राकृतिक संसाधनों का वितरण	231
महत्त्वपूर्ण भू–भौतिकीय घटनाएं	232
भूकंप	232
भूकंप के कारण	232
भूकंप के प्रभाव	233
सुनामी	234
भूकम्प जनित सुनामी	235
ज्वालामुखीय हलचल	236
चक्रवात	237
चक्रवात	240
जीवोम के प्रकार	249
वन संरक्षण एवं विस्तार सुझाव	256

●●●

http://www.developindiagroup.co.in/

भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज

भारतीय संस्कृति में प्रचीनकाल से आधुनिक काल तक के कला रुप, साहित्य और वास्तुकला

भारतीय कला को सामान्यतः तीन रूपों में विभाजित किया जाता है :

1. स्थापत्य कला
2. चित्रकला
3. मूर्तिकला

स्थापत्य कला

स्थापत्य कला का सम्बंध विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों के निर्माण से है। भारतीय स्थापत्य कला विश्व की सर्वश्रेष्ठ स्थापत्य कलाओं में से एक है। इस कला की प्रमुख शैलियां इस प्रकार हैं :

सैंधव स्थापत्य कला

सैंधव स्थापत्य कला के प्रमुख निर्माण हैं – हड़प्पा के बृहत स्नानागार एवं मोहनजोदड़ो के दुर्ग व अन्नागार। विशिष्ट नगर नियोजन व विकसित जलनिकासी व्यवस्था की दृष्टि से यह स्थापत्य कला महत्त्वपूर्ण मानी जाती है। इस सभ्यता में कहीं कहीं अलंकृत ईंटों के प्रयोग के साक्ष्य भी मिलते हैं।

वैदिक स्थापत्य कला

वैदिक स्थापत्य कला में ग्रामीण परिवेश अर्थात मिट्टी, लकड़ी, छप्पर इत्यादि से बनें घरों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। साथ ही पत्थरों से निर्मित उत्कृष्ट भवनों के साक्ष्य भी मिले हैं।

मौर्यकालीन स्थापत्य कला

मौर्यकालीन स्थापत्य कला के आरंभिक साक्ष्यों के अनुसार भवन लकड़ी से निर्मित होते थे, लेकिन अशोक के समय में भवनों के निर्माण में पत्थरों का प्रयोग आरम्भ हुआ। मौर्यकाल की सर्वोत्कृष्ट स्थापत्य 'एकाश्मक स्तम्भ' है जिसे पत्थरों को तराशकर बनाया गया था।

मौर्योत्तर कालीन स्थापत्य कला

मौर्यकाल के उलट इस काल में धार्मिक उद्देश्यों हेतु भवनों का निर्माण किया जाने लगा था, जिनमें चैत्य, स्तूप, विहार, तथा गुफाएं प्रमुख थीं। ये सभी गुफा कक्ष, मूर्तिकला एवं स्तम्भों द्वारा सुसज्जित थे।

चैत्य : ये चिकने स्तम्भों तथा सातवाहन (छतों) द्वारा निर्मित पूजा गृह थे। प्रमुख चैत्यों में कार्ले (सर्वोत्कृष्ट), अजंता एवं भाजा प्रमुख हैं।

स्तूप : ईंट पत्थरों से निर्मित विशाल स्तूपों का निर्माण बौद्ध संतों के देहावशेषों तथा उनसे जुड़ी वस्तुओं को संरक्षित करने के लिए किया जाता था। प्रमुख स्तूप हैं – सांची, भरहुत, अमरावती एवं सारनाथ।

विहार : ये बौद्धों के निजी आश्रय स्थल थे, जहां बौद्ध शिक्षा दी जाती थी। नालंदा विहार इसका विशिष्ट उदाहरण है।

गुफाएं : पत्थरों को काटकर बनाई गई गुफाएं मुख्यतः बौद्ध धर्म से सम्बंधित थीं। इनका सम्बंध बौद्ध धर्म के साथ–साथ

http://www.developindiagroup.co.in/

हिंदू व जैन धर्मों से भी था। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में निर्मित अजंता, एलोरा तथा मध्य प्रदेश में निर्मित बाघ की गुफाएं मूर्तिकला व चित्रकला के उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। ये सभी गुफाएं बौद्ध धर्म की जातक कथाओं पर आधारित हैं।

गुप्तकालीन स्थापत्य कला

गुप्तकाल में ऊंचे चबूतरे पर गर्भगृह युक्त मंदिरों का निर्माण शुरू हुआ। इन मंदिरों के द्वार सुंदर मूर्तियों से सुसज्जित होते थे तथा मंदिरों का भीतरी भाग सादा होता था। गुप्तकालीन सर्वोत्कृष्ट मंदिर दशावतार है जिसमें पहली बार शिखर का प्रयोग किया गया था। इन मंदिरों का निर्माण इंडो–आर्यन शैली में किया गया था। सारनाथ स्थित धम्मेख स्तूप का निर्माण इसी काल में हुआ था।

सल्तनत कालीन स्थापत्य कला

इस काल में हिंदू–मुस्लिम शैली का विकास हुआ। सल्तनत कालीन स्थापत्य मुख्यतः तुर्की शैली, खिलजी शैली, तुगलक शैली, एवं लोदी शैली प्रमुख हैं।

तुर्की शैली : इस शैली के स्थापत्यों का निर्माण मुख्यतः चूने व गारे से निर्मित प्लास्टर से किया जाता था। तुर्की शैली के प्रमुख स्थापत्य हैं – कुतुबमीनार, कुव्वत–उल–इस्लाम मस्जिद, अढ़ाई दिन का मकबरा।

खिलजी शैली : इस शैली के प्रमुख स्थापत्यों का निर्माण लाल पत्थरों से किया गया। इस शैली के प्रमुख स्थापत्य हैं – अलाई दरवाजा, जमायत खाना मस्जिद।

तुगलक शैली : इस शैली के स्थापत्य की अनुकृति मिस्र के पिरामिडों से मिलती जुलती है। इस शैली के प्रमुख स्थापत्य हैं – गयासुद्दीन बलवन का मकबरा, जहांपनाह नगर।

लोदी शैली : इस शैली में निर्मित स्थापत्यों में बगीचों से युक्त अष्टभुजी इमारतों का निर्माण कराया गया था। इस शैली के प्रमुख स्थापत्य हैं – बहलोल लोदी की कब्र, मोती मस्जिद। बहलोल लोदी के काल में मकबरों का सर्वाधिक निर्माण किया गया, जिस कारण इस काल को *'मकबरों का युग'* भी कहा जाता है।

गुप्तोत्तर कालीन स्थापत्य कला/मंदिर स्थापत्य कला

उत्तर गुप्त काल में उत्तर भारत में नागर शैली, मध्य भारत में वेसर शैली तथा दक्षिण भारत में द्रविड़ शैली का विकास हुआ।

नागर शैली : इस शैली के मंदिरों की प्रमुख विशेषताओं में सलीबनुमा आधारभूमि पर तिरछी, टेढ़ी आकृति, गर्भगृह तथा मण्डपों का निर्माण शामिल है। इस शैली के प्रमुख मंदिर हैं – उड़ीसा में गंग राजाओं द्वारा निर्मित लिंगराज मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, कोणार्क का सूर्य मंदिर तथा मध्य प्रदेश में खजुराहो व कंदरिया महादेव मंदिर और राजस्थान में दिलवाड़ा स्थित जैन मंदिर उल्लेखनीय हैं।

वेसर शैली : इस शैली के मंदिर खम्भेदार व ठोस दीवारों से बनें होते थे, जिनमें पत्थरों से बनीं खिड़कियां लगी होती थीं। वेसर शैली के अधिकांश मंदिरों का निर्माण विशाल चट्टानों को काटकर बनाया जाता था। इस शैली के प्रमुख उदाहरण हैं – एलिफेंटा व एलोरा की गुफाएं तथा एहोल मंदिर।

द्रविड़ शैली : इस शैली के प्रमुख मंदिरों का निर्माण चट्टानों को काटकर रथ मंदिरों के रूप में किया गया था। इस शैली के मंदिरों के संरक्षक पल्लव राजा थे। द्रविड़ शैली के मंदिरों के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण महाबलीपुरम् अर्थात मामल्लपुरम् व कांचीपुरम के मंदिर हैं। इस शैली के मंदिरों का निर्माण पल्लव शासकों के अलावा चोल व होयसल राजाओं द्वारा भी किया गया था।

http://www.developindiagroup.co.in/